Edit with WPS Office

# योजना प्रक्रिया में महत्वपूर्ण कदम

नियोजन में उद्देश्यों का निर्धारण करने से लेकर नीचे दी गई कार्रवाई तक के कई चरणों को शामिल किया गया है।

योजन प्रक्रिया में मुख्य कदम इस प्रकार हैं:

## 1. उद्देश्यों की स्थापना:

उद्देश्यों को स्थापित करना योजना बनाने का पहला चरण है। कुछ लक्ष्यों को प्राप्त करने की दृष्टि से योजनाएँ तैयार की जाती हैं। इसलिए, उद्देश्यों की स्थापना योजना बनाने की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है। योजनाओं को उद्यम के उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करना चाहिए। उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना चाहिए कि नीतियों, प्रक्रियाओं, नियमों, रणनीतियों, बजट और कार्यक्रमों द्वारा क्या हासिल किया जाना है। योजना यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर गतिविधि का उद्देश्य उद्देश्यों की प्राप्ति में योगदान हो।

तय किए गए उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से इंगित करना चाहिए कि क्या हासिल करना है, कार्रवाई कहां होनी चाहिए, इसे किसको करना है, इसे कैसे पूरा करना है और कब पूरा करना है। यही है, प्रबंधकों को निश्चित और स्पष्ट शब्दों में फर्म के उद्देश्यों को पुनर्स्थापित करने में सक्षम होना चाहिए जो योजना में लक्षित प्रदर्शन के खिलाफ प्रदर्शन के परीक्षण और मूल्यांकन को प्रेरित करेगा। उद्देश्य मापने योग्य होना चाहिए।

## 2. योजना परिसर का निर्धारण

यह योजना बनाने का दूसरा चरण है। परिसर में वास्तविक पूर्वानुमान डेटा, नीतियां और उद्यम की योजनाएं शामिल हैं। नियोजन में भविष्य को देखना शामिल है जो उद्यम को यह जानने के लिए आवश्यक करता है कि भविष्य की परिस्थितियों का उसकी गतिविधियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इस प्रकार, पूर्वानुमान योजना में एक महत्वपूर्ण कदम है। पूर्वानुमान के दो प्रकार हैं,

i. सामान्य आर्थिक स्थितियों की भविष्यवाणी।
ii. उद्यम द्वारा निपटाए गए एक विशिष्ट उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की स्थितियों की भविष्यवाणी।

सामान्य आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, उद्योग का एक अध्ययन किया जाता है। तब प्रबंधक अपनी कंपनी के बाजार के हिस्से का अध्ययन करने के लिए आगे

Edit with WPS Office

बढ़ता है। पूर्वानुमान उन क्षेत्रों को प्रकट करेगा जहां नियंत्रण की कमी है। पूर्वानुमान के तरीके सटीक होने पर योजना विश्वसनीय होगी। इसलिए, पूर्वानुमान की योजना की सफलता बहुत निर्भर करती है।

## 3. वैकल्पिक पाठ्यक्रम का निर्धारण

वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का निर्धारण करना नियोजन प्रक्रिया का तीसरा चरण है। योजनाकार को सभी विकल्पों का अध्ययन करना चाहिए, उनमें से मजबूत और कमजोर बिंदुओं पर विचार करना चाहिए और अंत में सबसे होनहारों का चयन करना चाहिए।

## 4. वैकल्पिक पाठ्यक्रम का मूल्यांकन

चुने गए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन परिसर और लक्ष्यों की रोशनी में किया जाना चाहिए। मूल्यांकन में विभिन्न कार्यों के प्रदर्शन का अध्ययन शामिल है। इस तरह के विकल्पों में से विभिन्न कारकों जैसे लाभप्रदता, निवेश की आवश्यकताएं, आदि को एक दूसरे के खिलाफ तौलना चाहिए। इसकी उपयुक्तता निर्धारित करने के लिए प्रत्येक विकल्प का बारीकी से अध्ययन किया जाना चाहिए।

कई अन्य कारक जैसे अनिश्चित भविष्य की प्रवृत्ति, वित्तीय रूप से समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, भविष्य की अनिश्चितता मूल्यांकन प्रक्रिया, जटिल और कठिन है। आमतौर पर वैकल्पिक योजनाओं का मूल्यांकन लागत, जोखिम, लाभ, संगठनात्मक सुविधाओं आदि जैसे कारकों के खिलाफ किया जाता है। कंप्यूटर आधारित गणितीय योजनाओं और तकनीकों का उपयोग कार्रवाई के सर्वोत्तम पाठ्यक्रम की पहचान करने के लिए भी किया जा सकता है।

## 5. बेस्ट कोर्स का चयन

विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन करने के बाद, सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन किया जाता है। इसके साथ, योजना को अपनाया गया माना जा सकता है। यह ठीक वह बिंदु है जिस पर निर्णय किए जाते हैं। कभी-कभी, उद्यम के सर्वोत्तम हित में, कई वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को अपनाया जा सकता है।

## 6. व्युत्पन्न योजनाएं बनाना

जैसे ही सर्वश्रेष्ठ पाठ्यक्रम का चयन किया जाता है, योजना पूरी नहीं होती है। मुख्य योजना को कई व्युत्पन्न योजनाओं का समर्थन किया जाना चाहिए। एक मूल योजना के

Edit with WPS Office

ढांचे के भीतर, प्रत्येक कार्यात्मक क्षेत्र में व्युत्पन्न योजनाएं तैयार की जाती हैं। विभागीय, अनुभागीय और व्यक्तिगत योजनाओं में मास्टर प्लान का अलगाव, भविष्य की अनिश्चितताओं की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता है। नियोजन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए, इसे एक प्रतिक्रिया तंत्र के लिए भी प्रदान करना चाहिए। ये योजनाएं मुख्य योजना के कार्यान्वयन के लिए हैं।

## 7. योजनाओं का क्रियान्वयन

नियोजन की प्रक्रिया में योजनाओं का कार्यान्वयन अंतिम चरण है। इसमें योजनाओं को लागू करना शामिल है ताकि व्यावसायिक उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नीतियों, प्रक्रियाओं, मानकों, बजट आदि की स्थापना की आवश्यकता होती है।